

## नरिमाण-परचालन-हस्र्तांतरण मॉडल

### प्रलिमिंस के लयि:

नविश मॉडल, NHAI, सार्वजनकि-नजिी भागीदारी

### मेन्स के लयि:

नविश के वभिनिन मॉडल, सार्वजनकि-नजिी भागीदारी का महत्त्व और चुनौतयिँ, बुनयिादी ढाँचे के नरिमाण में नविश मॉडल की भूमकिा ।

## चर्चा में क्यौँ?

**भारतीय राषटरीय राजमार्ग प्राधकिरण (NHAI)** ने वर्ष 2022 की तीसरी तमिाही के दौरान **सार्वजनकि-नजिी भागीदारी के तहत नरिमाण-परचालन-हस्र्तांतरण (Build-Operate-Transfer) मॉडल** का उपयोग करके नजिी साझेदारों को कम-से-कम दो राजमार्ग उन्नयन परयिोजनाओं की पेशकश करने की योजना बनाई है ।

## नरिमाण-परचालन-हस्र्तांतरण (BOT) मॉडल:

### परचयि:

- BOT मॉडल के तहत एक नजिी साझेदार को नरिदषिट अवध्ा (20 या 30 वर्ष की रयिायत अवध्ा) के लयि एक परयिोजना के वत्तितीयन, नरिमाण और संचालन के लयि रयिायत दी जाती है, जसिमें नजिी साझेदार उपयोगकर्त्ता शुल्क या सुवधिा का उपयोग करने वाले ग्राहकों से टोल के माध्यम से नविश की भरपाई करता है और इस प्रकार एक नशिचति मात्रा में वत्तितीय जोखमि उठाता है ।
- BOT एक **नजिी-सार्वजनकि भागीदारी (Public Private Partnership) मॉडल** है जसिके अंतर्गत नजिी साझेदार पर अनुबंधति अवध्ा के दौरान ढाँचागत परयिोजना के डजिाइन, नरिमाण एवं परचालन की पूरी ज़मिमेदारी होती है ।
  - नजिी कषेत्र के भागीदार को परयिोजना के लयि वत्तितीयन के साथ ही इसके नरिमाण और रखरखाव की ज़मिमेदारी लेनी होती है ।
- सरकार ने रयिायत अवध्ा के दौरान **पूर्व के प्रति 10 वर्ष की जगह अब प्रति 5 वर्ष पर परयिोजना की राजस्व कषमता का आकलन** करने का नरिणय लयिा है ।
  - इसका अर्थ होगा कि नजिी कंपनी के लयि राजस्व की नशिचतिता सुनशिचति करने हेतु रयिायत अवध्ा (या अवध्ा जब तक सड़क डेवलपरस टोल एकत्र कर सकते हैं) को अनुबंध अवध्ा पूरण होने से पूर्व बढ़ाया जा सकेगा ।

### कार्य प्रकरयिा:

#### नरिमाण:

- इसके अंतर्गत नजिी कंपनी (या संघ) सार्वजनकि बुनयिादी ढाँचा परयिोजना में नविश करने के लयि सरकार से सहमत होने पर परयिोजना के नरिमाण के लयि वत्तिपोषण करती है ।

#### परचालन:

- इसके अंतर्गत नजिी साझेदार एक सहमत रयिायत अवध्ा के लयि सुवधिा का संचालन, रखरखाव और प्रबंधन करता है तथा शुल्क या टोल के माध्यम से अपने नविश की वसूली करता है ।

#### हस्र्तांतरण:

- इसके अंतर्गत रयिायती अवध्ा के बाद कंपनी सरकार या संबंधति राज्य प्राधकिरण को सुवधिा के स्वामतिव और संचालन का हस्र्तांतरण करती है ।

## BOT मॉडल का महत्त्व और चुनौतयिँ :

### लाभ:

- परयिोजना के नरिमाण, संचालन और रखरखाव के लयि वत्ति जुटाने और सर्वोत्तम प्रबंधन कौशल का उपयोग करने में सरकार को

नज्जी क्षेत्र का लाभ मलिता है ।

- नज्जी भागीदारी भी सर्वोत्तम उपकरणों का उपयोग करके दक्षता और गुणवत्ता सुनिश्चित करती है ।
- BOT उद्यमों को प्रदर्शन-आधारित अनुबंधों और नरिगत-उन्मुख लक्ष्यों के माध्यम से दक्षता में सुधार करने के लिये तंत्र और प्रोत्साहन प्रदान करता है ।
- परियोजनाएँ पूरी तरह से प्रतसिपर्द्धी बोली की स्थितिमें संचालित की जाती हैं और इस प्रकार न्यूनतम संभव लागत पर पूरी की जाती हैं ।
- परियोजना के जोखिम नज्जी क्षेत्र द्वारा साझा किये जाते हैं ।

#### ■ चुनौतियाँ:

- वतितपोषण के इक्वटी हसिसे में लाभ का घटक नहिति है, जो ऋण लागत से अधिक होता है । यह वह कीमत है जो नज्जी क्षेत्र को जोखिम से नपिटने के लिये चुकाई जाती है ।
- BOT वतितपोषण समझौते को तैयार करने और समाप्त करने में काफी समय एवं अग्रमि खर्च करना पड़ सकता है क्योंकि इसमें कई संस्थाएँ शामिल होती हैं और इसके लिये अपेक्षाकृत जटिल कानूनी तथा संस्थागत ढाँचे की आवश्यकता होती है । ऐसमें छोटी परियोजनाओं के लिये BOT उपयुक्त नहीं है ।
- यह सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक संस्थागत क्षमता वकिसति करने में समय लग सकता है कि BOT के पूरण लाभ प्राप्त हों, जैसे कि पारदर्शी और नषिपक्ष बोली और मूल्यांकन प्रक्रियाओं का विकास तथा प्रवर्तन एवं कार्यान्वयन के दौरान संभावित विवादों का समाधान ।

## सार्वजनिक-नज्जी भागीदारी (PPP):

#### ■ परिचय:

- PPP सार्वजनिक संपत्त और/या सार्वजनिक सेवाओं के प्रावधान के लिये सरकारी एवं नज्जी क्षेत्र के बीच एक व्यवस्था है ।
- सार्वजनिक-नज्जी भागीदारी बड़े पैमाने पर सरकारी परियोजनाओं, जैसे- सड़कों, पुलों और अस्पतालों को नज्जी वतितपोषण के साथ पूरा करने की अनुमति देती है ।
- इस प्रकार की साझेदारी में नज्जी क्षेत्र की संस्था द्वारा एक नरिदषिट अवधि के लिये निवेश किया जाता है ।
- समय पर एवं बजट के भीतर काम पूरा करने के लिये नज्जी क्षेत्र की प्रौद्योगिकी और नवाचार के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के प्रोत्साहन के संयोजन से इस साझेदारी को सुनिश्चित किया जा सकता है ।
- चूँकि PPP में सेवाएँ प्रदान करने के लिये सरकार द्वारा ज़मिंदारी का पूरण प्रतधारण शामिल है, इसलिये यह नज्जीकरण के समान नहीं है ।
- इसमें नज्जी क्षेत्र और सार्वजनिक इकाई के बीच जोखिम का सुपरभाषति आवंटन शामिल है ।

#### ■ चुनौतियाँ:

- PPP परियोजनाओं के समक्ष मौजूदा अनुबंधों में विवाद, पूंजी की अनुपलब्धता और भूमि अधग्रहण से संबंधित नयिमक बाधाएँ जैसे मुद्दे मौजूद हैं ।
- मेट्रो परियोजनाएँ क्रोनी कैपिटलज़िम से ग्रसति हो जाती हैं और नज्जी कंपनियों द्वारा भूमि एकत्रण करने का एक साधन बन जाती हैं ।
- माना जाता है कि बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिये ऋण प्रदान करने में भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों केगैर-नषिपादति परसिंपत्त पोर्टफोलियो का एक बड़ा हसिसा शामिल है ।
- PPP में फर्म कम राजस्व या लागत में वृद्धि जैसे कारणों का हवाला देकर अनुबंधों पर फरि से बातचीत करने के लिये हर अवसर का उपयोग करती है ।
- बार-बार होने वाली बातचीत के परिणामस्वरूप सार्वजनिक संसाधनों का एक बड़ा हसिसा इसमें समाप्त हो जाता है ।

## PPP के कुछ अन्य मॉडल:

#### ■ इंजीनियरिंग, खरीद और नरिमाण (EPC):

- इस मॉडल के तहत लागत पूरी तरह से सरकार द्वारा वहन की जाती है । सरकार नज्जी कंपनियों से इंजीनियरिंग कार्य के लिये बोलियों आमंत्रित करती है । कच्चे माल की खरीद और नरिमाण लागत सरकार द्वारा वहन की जाती है ।

#### ■ हाइवर्डि वार्षिकी मॉडल (HAM):

- भारत में नया HAM BOT-एनयुडटी और EPC मॉडल का मशिरण है । डज़ाइन के अनुसार, सरकार वार्षिक भुगतान के माध्यम से पहले पाँच वर्षों में परियोजना लागत का 40% योगदान देगी । शेष भुगतान सृजित परसिंपत्तियों और विकासकर्त्ता के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा ।

#### ■ बलिड-ओन-ऑपरेट (BOO):

- इस मॉडल में नवनरिमति सुविधा का स्वामित्व नज्जी पार्टी के पास रहेगा ।
- पारस्परिक रूप से नयिमों और शर्तों पर सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदार परियोजना द्वारा उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की 'खरीद' करने पर सहमति बनाई जाती है ।

#### ■ बलिड-ओन-ऑपरेट-ट्रंसफर (BOOT):

- BOOT के इस प्रकार में समय पर बातचीत के बाद परियोजना को सरकार या नज्जी ऑपरेटर को स्थानांतरित कर दिया जाता है ।
- BOOT मॉडल का उपयोग राजमार्गों और बंदरगाहों के विकास के लिये किया जाता है ।

#### ■ बलिड-ओन-लीज़-ट्रंसफर (BOLT):

- इस मॉडल में सरकार नज्जी साझेदार को सार्वजनिक हति की सुविधाओं के नरिमाण हेतु कुछ रियायतें देती है, साथ ही इसके डज़ाइन,

स्वामित्व, सार्वजनिक क्षेत्र के पट्टे का अधिकार भी देती है।

■ **डज़ाइन-बिल्ड-फाइनेंस-ऑपरेट (DBFO):**

- इस मॉडल में अनुबंधित अवधि के लिये परियोजना के डज़ाइन, उसके वनरिमाण, वित्त और परचालन का उत्तरदायित्व नज़ी साज़ीदार पर होता है।

■ **लीज़-डेवलप-ऑपरेट (LDO):**

- इस प्रकार के नविश मॉडल में या तो सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के पास नवनरिमति बुनयिदी ढाँचे की सुवधि का स्वामित्व बरकरार रहता है और नज़ी प्रमोटर के साथ लीज़ समझौते के रूप में भुगतान प्राप्त कया जाता है। इसका पालन अधिकतर एयरपोर्ट सुवधिओं के वकिस में कया जाता है।

भारत में बुनयिदी ढाँचा क्षेत्र के लिये पहल:

■ **राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन**

- NIP बुनयिदी ढाँचा परियोजनाओं पर आगे के दृष्टिकोण को सुनश्चित करेगा जो रोज़गार सृजन, जीवनयापन में सुधार और सभी के लिये बुनयिदी ढाँचे तक समान पहुँच की सुवधि प्रदान करेगा जसिसे अधिक समावेशी वकिस होगा।
- इसमें **ग्रीनफील्ड और बराउनफील्ड** दोनों परियोजनाएँ शामिल हैं।

■ **राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन:**

- इसका उद्देश्य **बराउनफील्ड परियोजनाओं** में नज़ी क्षेत्र को शामिल करना और उन्हें राजस्व अधिकार हस्तांतरित करना है, हालाँकि इसके तहत परियोजनाओं के स्वामित्व का हस्तांतरण नहीं कया जाएगा, साथ ही इसके माध्यम से **उत्पन्न पूंजी का उपयोग देश भर में बुनयिदी अवसंरचनाओं के नरिमाण के लिये कया जाएगा।**

■ **राष्ट्रीय अवसंरचना वतितपोषण और वकिस बैंक:**

- इसमें पूरी तरह से या आंशिक रूप से भारत में अवस्थित अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के लिये प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उधार देना, नविश करना या नविश को आकर्षित करना शामिल है।
- इसमें अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के वतितपोषण के लिये बॉण्ड, ऋण और व्युत्पन्न (डेरिवटिव्स) के बाज़ार के वकिस में मदद करना शामिल है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/build-operate-transfer-model-1>

